

# सीएम दावोस में निवेशकों को देंगे न्यौता

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में पर्यटन क्षेत्र पर केंद्रित सत्र को संबोधित करेंगे डॉ. मोहन यादव

**13.30 करोड़ से अधिक पर्यटकों का प्रदेश में हुआ आगमन**  
**6.5 करोड़ श्रद्धालु आए श्री महाकालेश्वर मंदिर**



**संबोधित करेंगे और दुनिया भर के निवेशकों को मद्र में पर्यटन क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं से रूबरू कराते हुए उन्हें निवेश के लिये न्यौता देंगे।**  
मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास भी, विरासत भी, के

## ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने की पहल

ग्रामीण पर्यटन को सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रदेश के 81 गांवों में 370 से अधिक होमस्टे विकसित किए गए हैं, जिन्हें 1000 तक विस्तारित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. यह पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ स्थानीय समुदायों को प्रत्यक्ष आय और रोजगार उपलब्ध करा रही है. बेस्ट टूरिज्म स्टेट ऑफ द ईयर सहित 18 राष्ट्रीय पुरस्कार, यूनेस्को की टेंटेडविलिस्ट में प्रदेश के 4 धरोहर स्थलों का शामिल होना और देश की 69 यूनेस्को धरोहरों में से 15 का मध्यप्रदेश में स्थित होना प्रदेश की वैश्विक पर्यटन क्षमता और प्रतिष्ठा को सुदृढ़ करता है. मद्र आज पर्यटन, परंपरा और प्रगति के संगम के साथ वैश्विक निवेशकों और पर्यटकों के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार है.

दूरदर्शी दृष्टिकोण से प्रेरित होकर मध्यप्रदेश ने पर्यटन को समावेशी और सतत विकास के सशक्त माध्यम के रूप में विकसित किया है. इसके परिणामस्वरूप हाल के वर्षों में प्रदेश में 13.30 करोड़ से अधिक पर्यटकों का आगमन दर्ज किया गया है, जो मध्यप्रदेश के प्रति बढ़ते राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय विश्वास को दर्शाता है. आध्यात्मिक पर्यटन मध्यप्रदेश की प्रमुख पहचान के रूप में स्थापित हुआ है. उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर में 6.5 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं का आगमन हो चुका है. इसके

साथ ही खजुराहो, सांची, ओरछा, महेश्वर, अमरकंटक और चित्रकूट जैसे ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल देश-विदेश के पर्यटकों के प्रमुख आकर्षण केंद्र बने हुए हैं.

राज्य सरकार द्वारा पर्यटन नीति-2025 एवं फिल्म पर्यटन नीति-2025 के माध्यम से निवेश प्रोत्साहन, रोजगार सृजन और सतत पर्यटन विकास को नई दिशा दी गई है. फिल्म पर्यटन नीति-2025 के तहत मद्र राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म निर्माण के लिए एक पसंदीदा डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है, जिससे स्थानीय कलाकारों, तकनीशियनों और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं.

## रक्षा मंत्री राजनाथ से उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने की सौजन्य भेंट



**भोपाल 20 जनवरी.** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की. इस अवसर पर दोनों नेताओं के बीच विभिन्न समसामयिक विषयों पर सारगर्भित चर्चा हुई. उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रक्षा मंत्री के दीर्घकालिक सामाजिक एवं सार्वजनिक जीवन के अनुभवों से मार्गदर्शन प्राप्त किया. उन्होंने देशहित से जुड़े विषयों पर रक्षा मंत्री के विचारों को प्रेरणादायी बताया.



## दिव्यांगों को रैंप, श्रद्धालुओं को सुरक्षा रैलिंग

- ▶ सिंहस्थ में दिखेंगे दिव्यांग-फंडली घाट
- ▶ संभागायुक्त आशीष सिंह ने सुविधा जुटाने के लिए निर्देश
- ▶ त्रिवेणी घाट बनेगा मॉडल

अधिकारी एवं संभागायुक्त आशीष सिंह ने सिंहस्थ मेला कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में घाट निर्माण की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की. बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी नए घाटों पर 1.5 मीटर ऊँची सुरक्षा रैलिंग अनिवार्य रूप से लगाई जाए. दिव्यांगजनों के लिए रैंप का निर्माण किया जाए. श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा से कोई समझौता न हो. शनि मंदिर के सामने बन रहे घाट को मॉडल घाट के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहाँ सुरक्षा, सौंदर्य और सुविधा तीनों का विशेष ध्यान रखा जा रहा है.

### सिलारखंडी डैम का कार्य प्रगतिरत है, बारिश में इसकी टैरिंटिंग को जाएगी

कान्ह नदी का पानी डायवर्ट करने की पाइपलाइन का 3.4 किलोमीटर कार्य पूर्ण हो चुका है. पुलिस हाउसिंग, एमपीईबी, आरईएस और बीडीसी द्वारा चल रहे कार्यों की भी समीक्षा की गई. कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने और समय-समय पर जांच के निर्देश दिए.

### नए घाट से होंगे बड़े फायदे

29 किलोमीटर घाट निर्माण से सिंहस्थ 2028 में करोड़ों श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्नान सुविधा मिलेगी। भीड़प्रबंधन और आपातस्थिति से निपटना आसान होगा. शिप्रा तट पर अव्यवस्थित स्नान की समस्या खत्म होगी. दिव्यांग, बुजुर्ग और महिलाओं के लिए सुगम और सम्मानजनक व्यवस्था बनेगी। उज्जैन की धार्मिक पर्यटन क्षमता को नई पहचान मिलेगी. अन्य सिंहस्थ परियोजनाएँ - धार्मिक आस्था और आधुनिक व्यवस्था का संगम - सिंहस्थ 2028 के लिए बन रहे घाट सिर्फ निर्माण नहीं, बल्कि आस्था, सुरक्षा और आधुनिक सोच का संगम हैं. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की परिकल्पना के अनुसार उज्जैन को ऐसा स्वरूप दिया जा रहा है, जहाँ श्रद्धालु निश्चित होकर मां शिप्रा में स्नान कर सकें और दुनिया को भव्य, सुरक्षित और सुव्यवस्थित सिंहस्थ का अनुभव हो.

## मध्य प्रदेश में सर्दी से राहत

भोपाल, 20 जनवरी. मध्य प्रदेश में कड़ाके की सर्दी से फिलहाल राहत मिली है. पिछले दो दिनों में न्यूनतम तापमान लगभग 4 डिग्री बढ़ गया है और दिन में धूप निकलने से ठंडुन कम हुई है. हालांकि मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि यह राहत अस्थायी है और जनवरी के अंतिम सप्ताह में ठंड फिर तेज हो सकती है. पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में सक्रिय मौसम प्रणालियों के गुजरने के बाद उत्तर से ठंडी हवाओं का प्रभाव बढ़ने की संभावना है, जिसका असर प्रदेश में दिख सकता है. पिछले 24 घंटों में प्रदेश के सभी संभागों में मौसम मुख्यतः



शुष्क रहा. अधिकतम तापमान में नर्मदापुरम, जबलपुर, सागर संभागों में सामान्य से 2.1°C से 2.7°C अधिक और ग्वालियर, रीवा, शहडोल संभागों में 3.4°C से 3.9°C अधिक दर्ज किया गया. न्यूनतम तापमान में रीवा और शहडोल संभागों में 2.1°C से 2.6°C तक बढ़ोतरी हुई.

### फिर पश्चिमी विक्षोभ से ठंड लौटने की संभावना

मौसम विज्ञान के अनुसार उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश के ऊपर ऊपरी वायुमंडलीय चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है. 21 जनवरी की रात से एक और तीव्र पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है. इसके साथ ही कुछ जिलों में मध्यम कोहरे की चेतावनी भी जारी है, जैसे ग्वालियर, दतिया, भिंड, रीवा, सतना, पन्ना, खतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी. यात्रियों और आम लोगों से आग्रह है कि मौसम के अनुसार सावधानी बरतें और अपडेटेड जानकारी लें. रेंडें.

## 26 जनवरी तक एयर इंडिया की दोपहर दिल्ली उड़ानें रद्द

### एयर शो के कारण उड़ानें प्रभावित

इंदौर. गणतंत्र दिवस पर एयर शो की तैयारियों के कारण दिल्ली एयरपोर्ट बुधवार 21 जनवरी से 26 जनवरी तक सुबह 10.20 बजे से दोपहर 12.45 बजे तक बंद रहेगा. इसका असर सीधे इंदौर दिल्ली रूट पर पड़ेगा. एयर इंडिया ने इस दौरान अपनी दोपहर की दिल्ली उड़ानें रद्द कर दी हैं. इंदौर से दोपहर 12.10 बजे दिल्ली जाने और 12.40 बजे वापस लौटने वाली फ्लाइट संचालित नहीं होगी.

## बरैया के बयान पर लता का पलटवार

भोपाल। भारतीय योगिनी संघ की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आर. एच. लता ने कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया के महिला विरोधी और अश्लील बयानों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि ऐसे लोगों को राजनीति में बने रहने का कोई अधिकार नहीं। उन्होंने कहा कि बरैया द्वारा महिलाओं के बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों पर दी गई व्याख्याएँ और समय-समय पर की जाने वाली अमर्यादित टिप्पणियाँ भारतीय समाज की संवेधानात्मक और सांस्कृतिक चेतना पर हमला हैं। यह केवल एक व्यक्ति की गलती नहीं, बल्कि महिलाओं को अपमान और भोग की वस्तु



समझने वाली विकृत मानसिकता का प्रतिबिंब है। डॉ. लता ने कहा कि एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि का महिलाओं के खिलाफ

अपमानजनक भाषा का प्रयोग करना, संविधान की शपथ और जनता की सेवा के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन है। ऐसे बयान अपराधों को सामान्य बनाने और समाज में गलत संदेश फैलाने का प्रयास हैं। उन्होंने कहा कि जब देश नारी शक्ति और महिला सशक्तिकरण की बात करता है, तब ऐसे नेता यह साबित करते हैं कि वे महिलाओं की गरिमा और देश के विकास की सोच नहीं रखते।

भारतीय योगिनी महासंघ ने फूल सिंह बरैया के खिलाफ तत्काल कड़ी कार्रवाई और राजनीतिक कार्रवाई की मांग की है और केवल माफ़ी या बयान वापस लेना पर्याप्त नहीं माना। डॉ. लता ने कांग्रेस हाईकमान से सवाल किया कि क्या वह ऐसे बयानों पर मौन समर्थन दे रहा है, और यदि नहीं तो तत्काल अनुशासनात्मक कार्रवाई करनी चाहिए।

## राजनैतिक नियुक्तियां पहले चरण में डेढ़ दर्जन नेता बनाए जाएंगे निगम-मंडल और आयोग में अध्यक्ष

## निगम-मंडलों में ताजपोशी अब कभी भी

कन्हैया लोधी भोपाल, 20 जनवरी. लंबे समय से प्रदेश में राजनीतिक नियुक्तियों का इंतजार कर रहे भाजपा के कद्दावर नेता कृपया अपनी कुर्सी की पेटी बांध लें. अब कभी भी राजनीतिक नियुक्तियों की सूची जारी हो सकती है. इस मामले में लंबे समय से चल रहे अटकलों का दौर अब धमने वाला है. मिले संकेतों के मुताबिक पहले फेज में कम से कम डेढ़ दर्जन नेताओं को निगम, मंडल और आयोग में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी जाएगी. वे ऐसे कद्दावर नेता हैं,

जिनका प्रभाव सरकार और संगठन दोनों में है, लेकिन अब तक उन्हें सरकार और संगठन में बड़ी जिम्मेदारी नहीं मिली है. इन्होंने से कुछ ऐसे भी नेताओं को मौका मिलेगा, जो कि पिछले विधानसभा चुनाव में बाजी नहीं मार सके थे. भाजपा संगठन ने अपना सबसे बड़ा कार्य कर लिया है, नितिन नवीन भाजपा के नये राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित हो गये हैं. इसी के साथ संगठन चुनाव की लंबी प्रक्रिया अब लगभग पूरी हो गई है. अब प्रदेश में सरकार का फोकस भी राजनीतिक नियुक्तियों पर हो गया है. सूत्रों के मुताबिक

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के बीच प्रदेश में राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर सहमत बन गई है. सरकार और संगठन की सहमति के बाद प्राथमिकता वाले नाम तय कर दिये गये हैं और अब इस सूची को भाजपा हाईकमान के सामने भी पेश कर दिया गया है. इस सूची को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, निवृत्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष को पहले ही बताया जा चुका है, अब इस सूची को औपचारिक रूप से भाजपा के नये राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के पास भी रखा

जाएगा. उनसे औपचारिक अनुमति मिलने के बाद प्रदेश में इन नियुक्तियों का दौर शुरू हो जाएगा. बताया जा रहा है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिये सोमवार को जब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल दिल्ली में थे, तब भी राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर उच्च स्तरीय बैठक हुई, जिसमें इस बात पर सहमति जताई गई कि अब शीघ्र ही राजनीतिक नियुक्तियां कर दी जाए. संभावना जताई जा रही है कि विधानसभा के बजट सत्र से पहले पहले फेज की नियुक्ति आदेश जारी हो सकते हैं.

### पहली सूची में ये नाम हो सकते हैं शामिल

मिले संकेतों के मुताबिक निगम, मंडल और आयोग में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के लिये पहली सूची में जिन नेताओं को मौका मिल सकता है, उनमें विधानसभा उपभूतवा हारे रामनिवास रावत, इमरती देवी, अरविंद भदौरिया, कमल पटेल, ध्रुवरायण सिंह जैसे नाम भी शामिल हैं. वहीं विधायकों में प्रदीप लारिया, शैलेन्द्र कुमार जैन, श्रीमती अर्चना चिटनिस, अजय विश्वेश, हरिशंकर खटीक को भी नया दायित्व दिया जा सकता है. इसके अलावा विनोद गोटीया, ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह, चेतन सिंह, अशोक जादौन के भी नाम गिनाये जा रहे हैं.

### एल्डरमैन की नियुक्ति का सिलसिला पहले शुरू होगा

प्रदेश के निकायों में भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ताओं को उनके काम का पुरस्कार देने के लिये सबसे पहले एल्डरमैन की नियुक्ति शुरू की जाएगी. एल्डरमैन की नियुक्ति के मामले में सरकार वैसे ही काफ़ी देर हो चुकी है. अब नगरीय निकायों के चुनाव में महज डेढ़ साल का समय बचा है. ऐसे में नये एल्डरमैन को अपने निकायों में परफॉर्मेंस दिखाने का ज्यादा मौका नहीं मिल पाएगा. बताया जा रहा है कि जिला भाजपा संगठन की सिफारिश के बाद ऐसे कार्यकर्ताओं की पहचान कर ली गई है, जिनको एल्डरमैन नियुक्त किया जाना है. फिलहाल पांच सौ से अधिक नाम तय किये गये हैं.